भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 8
सोमवार, 21 जुलाई, 2025 (30 आषाढ़, 1947 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

विशेष रूप से महाराष्ट्र में उड़ान योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देना

8 डा. भागवत कराड़:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हवाई यात्रा को और अधिक किफायती बनाने तथा संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में, विशेष रूप से महाराष्ट्र जैसे राज्यों में, उड़ान योजना की क्या भूमिका रही है;

(ख) इस योजना के अंतर्गत अब तक कौन-कौन से नए हवाई मार्ग शुरू किए गए हैं और क्या सरकार और अधिक गंतव्यों को शामिल करने की योजना बना रही है;

(ग) क्या सरकार महाराष्ट्र राज्य के गोंदिया, गढ़चिरौली, अकोला और नांदेड़ जैसे दूरस्थ, आकांक्षी और दूरदराज के जिलों के साथ-साथ देश के अन्य समान क्षेत्रों को जोड़ने को प्राथमिकता दे रही है; और

(घ) यदि हाँ, तो ऐसी योजनाओं का ब्यौरा क्या है और इसके लिए प्रस्तावित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): सरकार ने दिनांक 21.10.2016 को आरसीएस-उड़ान योजना शुरू की, जिसका उद्देश्य भारत के विभिन्न हिस्सों तक पहुँच के साथ यात्रियों के लिए हवाई यात्रा को किफायती, सुविधाजनक और वहनीय बनाकर इसे आम जनता तक पहुँचाना है। यह योजना एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने में उत्प्रेरक का काम कर रही है जिससे नागर विमानन क्षेत्र का उल्लेखनीय विकास हो रहा है, साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है, रोज़गार में वृद्धि हो रही है और महाराष्ट्र सहित पूरे देश में संतुलित क्षेत्रीय विकास हो रहा है।

आरसीएस-उड़ान योजना के प्रारंभ होने के बाद से, देश भर में 15 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरोड्रोम सहित 92 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों को जोड़ते हुए 637 आरसीएस मार्गों को कार्यशील किया गया है। आरसीएस-उड़ान योजना के माध्यम से दिनांक 15 जुलाई, 2025 तक 3.14 लाख से अधिक आरसीएस उड़ानों में लगभग 1.54 करोड़ घरेलू यात्री यात्रा कर चुके हैं।

महाराष्ट्र में, कोल्हापुर, जलगाँव, नांदेड़, नासिक, गोंदिया, सिंधुदुर्ग और अमरावती नामक सात हवाईअड्डों को पहले ही उड़ान योजना के तहत विकसित और चालू किया जा चुका है। महाराष्ट्र में शोलापुर हवाईअड्डे को भी इस योजना के तहत विकसित किया गया है और वाणिज्यिक उड़ान परिचालन शुरू हो चुके हैं।

उड़ान योजना के अंतर्गत बोली लगाने के लिए अकोला, असेवित हवाईपट्टियों की सूची में उपलब्ध है। यदि कोई एयरलाइन उड़ान योजना के भविष्य के दौर में अकोला को जोड़ने के लिए वैध बोली प्रस्तुत करती है, तो उस पर योजना के प्रावधानों के अनुसार विचार किया जाएगा। सरकार ने हाल ही में देश भर में 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए संशोधित उड़ान योजना शुरू करने की घोषणा की है। यह योजना पहाड़ी, आकांक्षी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिलों में हेलीपैड और छोटे हवाईअड्डों को भी सहायता देगी।

******